A–0147

Total Pages : 4 **Roll No. .....**

BASL (N)-201

संस्कृत नाट्य साहित्य

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (2×19=38)

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

(क) विचिन्तयन्ती यमनन्यमानसा
तपोधनं वेत्सि न मापुपस्थितम्।

स्मरिष्यति त्वां न स बोधितोऽपि सन्

कथां प्रमत्तः प्रथमं कृतामिव॥

(ख) यात्येकतोऽस्तशिखरं पतिरोषधीनाम्

आविष्कृतोऽरुणपुरः सर एकतोऽर्कः

तेजोद्वयस्य युगपद् व्यसनोदयाभ्यां

लोको नियम्यत इवात्मदशान्तरेषु॥

2. महाकवि कालिदास का जीवन परिचय देते हुए उसकी प्रमुख रचनाओं का वर्णन कीजिए।

3. नाट्य साहियत्य के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालते हुए रूपक भेदों को स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए–

(क) भास

(ख) विशाखदत्त

(ग) शूद्रक

(घ) भवभूति

(ङ) शक्तिभद्र

(च) मथुरा प्रसाद दीक्षित

5. अभिज्ञानशाकुन्तलम् नाटक में अभिव्यक्त सामाजिक सौन्दर्य बोध पर विचार व्यक्त कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न (4×8=32)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् के आधार पर विदूषक माढव्य का चरित्र-चित्रण कीजिए।

2. अभिज्ञानशाकुन्तलम् के आधार पर कालिदास की नाट्यकाल की विवेचना कीजिए।

3. अभिज्ञानशाकुन्तलम् के पंचम अंक के आधार पर दुष्यन्त का चरित्र-चित्रण कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर विस्तृत टिप्पणियाँ लिखिए–

   (क) कथावस्तु

   (ख) नेपथ्य

   (ग) विदूषक

   (घ) प्रस्तावना

5. संस्कृत नाट्यपरम्परा में श्रीहर्ष विरचित रत्नावली नाटिका का मूल्यांकन कीजिए।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** सूक्तियों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

(क) वसुन्धरा काल इवोप्तबीजा।

(ख) किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम्।

(ग) अचेतनं नाम गुणं न लक्ष्येत्।

(घ) अनार्यः खलु परदारपृच्छाव्यवहारः।

7. अधोलिखित उक्ति की पुष्टि अभिज्ञानशाकुन्तलम् के चतुर्थ अंक के आधार पर कीजिए–

"काव्येषु नाटकं रम्यं, तत्र रम्या शकुन्तला।

तत्रापि च चतुथोऽङ्कस्तत्र श्लोकचतुष्टयम्।"

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पंक्तियों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

(क) कुशीलवकुटुम्बस्य गृह नेपथयमुच्यते।

(ख) वस्तु नेता रसस्तेषां भेदकः।

(ग) अवस्थानुकृतिर्नाट्यम।

(घ) नाट्यसूत्रं धारयतीति सूत्रधारः।

****